

**क्रांतिकारी वि.** (तत्.) किसी व्यवस्था में भारी उलट फेर करने वाला, इनकलाब लाने वाला।

**क्रांतिक्षेत्र पुं.** (तत्.) गणित में वह क्षेत्र जो क्रांति करने या निकालने के लिए बनाया जाए।

**क्रांतिज्या स्त्री.** (तत्.) क्रांतिवृत्त क्षेत्र में अक्षक्षेत्र का एक अंग वि. वृत्त या वृत्तांश के चाप के दो बिंदुओं को मिलाने वाली सरल रेखा।

**क्रांतिदर्शी वि.** (तत्.) 1. सर्वज्ञ 2. त्रिकालदर्शी पुं. ईश्वर, परमेश्वर।

**क्रांतिपात पुं.** (तत्.) वे बिंदु जिन पर क्रांतिवलय और खगोलीय विषुवत् की रेखाएं एक दूसरी को काटती हैं, जब उन बिंदुओं पर पृथ्वी आती है, तब रात और दिन बराबर होते हैं।

**क्रांतिभाग पुं.** (तत्.) खगोलीय नाभिमंडल से क्रांतिमंडल के किसी बिंदु की दूरी।

**क्रांतिमंडल पुं.** (तत्.) वह वृत्त जिस पर सूर्य पृथ्वी के चारों ओर घूमता हुआ जान पड़ता है।

**क्रांतिवृत्त पुं.** (तत्.) सूर्य का मार्ग, क्रांतिवलय।

**क्राइस्ट पुं.** (अं.) ईसा मसीह।

**क्राउन पुं.** (अं.) 1. राज मुकुट, ताज 2. राजा, शाह, सुलतान 3. राज्य 4. छापने के कागज की एक माप जो 15 इंच चौड़ी और 20 इंच लंबी होती है।

**क्रिकेट पुं.** (अं.) एक प्रकार का गेंद और बल्ले का खेल, जो ग्यारह ग्यारह खिलाड़ियों के दो पक्षों में खेला जाता है, गेंद- बल्ला।

**क्रिज स्त्री.** (अं.) 1. इस्तरी करके कपड़े पर छोड़ा हुआ निशान, लोहा करते समय पतलून पर पड़ी हुई धारी 2. क्रिकेट के खेल में वह निर्धारित किया हुआ निशान वाला स्थान जिसके अंदर बल्लेबाज खेलता है 3. सिकुड़न जैसे- वह अपने कपड़ों की क्रीज का बड़ा ध्यान रखते हैं।

**क्रिपीपति (कृपीपति) पुं.** (तत्.) माता 'कृपी' के स्वामी, द्रोणाचार्य।

**क्रिमिनल वि.** (अं.) अपराधी।

**क्रियमाण पुं.** (तत्.) 1. वह जो किया जा रहा हो 2. कर्म के चार भेदों में से एक, दे. 'कर्म'।

**क्रिया स्त्री.** (तत्.) 1. किसी प्रकार का व्यापार, कर्म 2. प्रयत्न, हिलना, डोलना 3. अनुष्ठान 4. व्याकरण का वह अंग जिससे किसी काम का होना, करना या कराना पाया जाय जैसे- आना, जाना, लगाना, तोड़ना आदि 5. शौच आदि कर्म, नित्यकर्म, स्नान, संध्या, तर्पण आदि 6. श्राद्ध आदि प्रेतकर्म 7. प्रायश्चित आदि कर्म 8. उपाय, उपचार 9. न्याय या विचार का साधन, मुकदमे की कार्रवाई 10. अध्यापन 11. किसी कला पर अधिकार या उसका ज्ञान 12. आचरण, व्यवहार 13. कार्य की विधि।

**क्रियाकर्म पुं.** (तत्.) मृतक क्रिया, अंत्येष्टि।

**क्रियाकलाप पुं.** (तत्.) 1. शास्त्र के अनुसार किया जाने वाला कार्य 2. किसी व्यवसाय का संपूर्ण विवरण।

**क्रियाकल्प पुं.** (तत्.) 1. रोग निदान का एक खास तरीका 2. रोग निर्णय 3. काव्यरचना की विधि।

**क्रियात्मक वि.** (तत्.) व्यावहारिक जैसे- मात्रासिद्धांत से काम नहीं चलेगा, उसे क्रियात्मक रूप भी देने की आवश्यकता है।

**क्रियापटु वि.** (तत्.) कार्यकुशल जैसे- जो क्रियापटु होगा उसे पदोन्नति मिलेगी।

**क्रियापद पुं.** (तत्.) व्याकरण में क्रिया अथवा क्रियावाचक शब्द।

**क्रियाफल पुं.** (तत्.) 1. वेदांत के अनुसार कर्म के चार फल उत्पत्ति, आप्ति, विकृति और संस्कृति 2. मीमांसा में गुणकर्म या उसके चार फल।

**क्रियामाधुर्य पुं.** (तत्.) वास्तु अथवा कला का निर्माणगत सौंदर्य।

**क्रियायोग पुं.** (तत्.) 1. पुराणों के अनुसार देवताओं की पूजा करना और मंदिर बनवाना 2. क्रिया के साथ संबंध 3. साधन का प्रयोग।